रेलवे व विमानन उद्योग औद्योगिक विकास को दे सकता है नई दिशा : राजीव ठाकुर

राज्य ब्यूरो, जागरण● लखनऊ: रेलवे व विमानन उद्योग राज्य के औद्योगिक विकास और व्यापार को नई दिशा दे सकता है। इसके लिए जरूरी है कि इस क्षेत्र के लिए लक्ष्य निर्धारित कर काम किया जाए। उत्तर प्रदेश से निर्यात में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। हवाई अड्डों का नेटवर्क निवेश और निर्यात को बढ़ाने में मददगार सिद्ध होगा और राज्य का औद्योगिक भविष्य सुदृढ़ करेगा।

बुधवार को सेंट्रम होटल में 'विकसित उत्तर प्रदेश-2047' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इन्वेस्ट यूपी द्वारा आयोजित कान्फ्रेंस में नीति आयोग के अतिरिक्त सचिव राजीव ठाकुर ने कहा कि विमानन भविष्य के लिए अत्यधिक संभावनाओं वाला क्षेत्र है। इसके विस्तार के बिना औद्योगिक विकास संभव नहीं है। राज्य परिवर्तन आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने कहा कि औद्योगिक भूमि आवंटन की बेहतर प्रक्रिया, निवेश परियोजनाओं की निगरानी व कौशल विकास 'विकसित यूपी-2047' का प्रमुख स्तंभ हैं।

अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त दीपक कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। स्पष्ट नीतियों और उद्योग-अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र के कारण उत्तर प्रदेश वैश्विक औद्योगिक शक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। औद्योगिक विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार ने कहा कि विकसित उत्तर प्रदेश-2047 का विजन डाक्यूमेंट में सभी पक्षों की आकांक्षाओं को स्थान दिया गया है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक और विनिर्माण क्षेत्र के साथ सेवा क्षेत्र को भी आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। निवेश बढ़ाने को ईज आफ डूइंग बिजनेस व अवस्थापना सुविधाओं में विस्तार जरूरी है।

पूरी खबर पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें